

विश्रब्धनवोड़ा वि. (तत्.) साहित्य में नवोड़ा नायिका जिसका अपने पति पर कुछ-कुछ अनुराग और कुछ-कुछ विश्वास होने लगा हो।

विश्रवा पुं. (तत्.) एक प्राचीन ऋषि जो कुबेर और रावण आदि के पिता थे।

विश्रांत वि. (तत्.) 1. जिसने आराम/विश्राम कर लिया हो 2. शांत 3. समाप्त 4. बंद किया हुआ।

विश्रांति स्त्री. (तत्.) 1. विश्राम, आराम 2. समाप्ति, अवसान।

विश्राम पुं. (तत्.) 1. आराम/थकावट मिटाने की क्रिया 2. शांति, समाप्ति, अंत 3. रुकना, ठहरना, विराम 4. सुख-शांति, चैन 5. कर्मचारियों के लिए कार्य के बीच का निर्धारित विश्राम-काल, मध्यावकाश छंद पद्य पढ़ने में बीच में विराम का स्थान, यति।

विश्रामालय पुं. (तत्.) 1. आराम/विश्राम करने का स्थान 2. यात्रियों द्वारा गाड़ियों/बसों की प्रतीक्षा के दौरान बैठने या आराम करने का स्थान।

विश्राव पुं. (तत्.) तरल पदार्थ का रिसना, झरना, बहना, क्षरण, स्राव।

विश्री वि. (तत्.) श्रीविहीन, शोभारहित, श्रीहीन।

विश्रुत वि. (तत्.) 1. विश्रुत, ख्यातनामा 2. सुना हुआ 3. प्रसन्न 4. बहा हुआ।

विश्रुति स्त्री. (तत्.) 1. प्रसिद्धि, ख्याति, यश 2. क्षरण, स्राव।

विश्लिष्ट वि. (तत्.) 1. अलग किया हुआ 2. खुला हुआ, मुक्त 3. विश्लेषित।

विशृंखल वि. (तत्.) 1. शृंखलाहीन, जिसमें शृंखला न हो या न रह गई हो 2. मर्यादाहीन, उद्दंड, असमर्यादित अनियंत्रित 3. अदम्य, जिसे दबाया या रोका न जा सके 4. दुराचारी, लम्पट।

विशृंग वि. (तत्.) जिसके सींग न हों या सींग न रह गए हो, शृंगहीन।

विश्लथ वि. (तत्.) 1. ढीला, शिथिल 2. थका हुआ, श्रांत 3. मुक्त, निर्बंध, खुला हुआ 4. सुस्त।

विश्लेष वि. (तत्.) 1. पृथक्ता, अलगाव, बिछोह 2. प्रेमी-प्रेमिका या पति-पत्नी का वियोग, बिछोह, विराग 3. एकता न होना, अनैक्य 4. दरार, फटन।

विश्लेषण पुं. (तत्.) 1. किसी पदार्थ के अवयवों का पृथक्करण 2. विग्रह, खंडन 3. किसी साहित्य रचना या लेख की बारीकी से जाँच करने के लिए उसके संयोजक अंगों/तत्वों को अलग-अलग करना 4. काव्य. किसी रचना या कृति में छिपे अर्थ के विभिन्न तत्वों को अलग करने की प्रक्रिया, साहित्यिक कृति की आलोचनात्मक जाँच 5. किसी विशेष प्रयोजन से प्राप्त भाषिक सामग्री की निर्धारित मानदंडों के आधार पर जाँच, तुलनात्मक विश्लेषण, वर्गीकरण आदि का कार्य समाज. किसी घटना, वस्तु आदि के विभिन्न घटकों या गुणों का अध्ययन करने की वैज्ञानिक पद्धति रसा. किसी पदार्थ या मिश्रण में विद्यमान घटकों की पहचान या उनकी मात्रा का आकलन। analysis

विश्लेषणात्मक वि. (तत्.) 1. जो विश्लेषण प्रक्रिया के अनुसार किया जाए 2. विश्लेषण संबंधी, विश्लेषण का, विश्लेषण की दृष्टि से।

विश्लेषणीय वि. (तत्.) 1. जो विश्लेषण के योग्य हो 2. जिसका विश्लेषण किया जा रहा हो या किया जाना हो।

विश्लेषणीयता स्त्री. (तत्.) विश्लेषण के योग्य होना।

विश्लेषित वि. (तत्.) 1. जिसका विश्लेषण किया गया हो, विश्लिष्ट 2. पृथक्कृत, वियोजित, अलग किया हुआ।

विश्लेषी वि. (तत्.) 1. विश्लेषक, विश्लेषण करने वाला 2. बिछुड़ा हुआ, वियुक्त।

विश्लेष्य वि. (तत्.) 1. विश्लेषण के योग्य, जिसका विश्लेषण किया जाना हो, जिसका विश्लेषण किया जा रहा हो।

विश्लोक पुं. (तत्.) काव्य. एक सममात्रिक छंद जिसके प्रत्येक चरण में 16 मात्राएँ होती हैं तथा पांचवी और आठवीं मात्राएँ लघु होती हैं।